सं ग्रो. वि./एफ. डो./189-84/6361.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इण्डिया फोज एण्ड इापट स्टेम्पिंग लि०. 🖂/3, मधुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री सुरेन्द्र चौहान तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखिन मानले में चौई ग्राह्मिक दिवाद है :

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, ग्रीवोगिक विवाद ग्रधिनियम. 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करने हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं 5415-3-श्रम/68/:5254, दिनांक 20 जून, 1958, के साथ पढ़ने हुए ग्रिश्मृचना सं 11495-जी-श्रम-57/11345, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद, को विवादग्रस्त या उसमें मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों नथा श्रमिक के डीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से मुसंगत ग्रयवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री सुरेन्द्र चाहान की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत को हकदार है ?

संव मो. वि./एफ, डी./.४8-84/6368.--चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राम है कि मैंव ाण्डा फांजे एण्ड ड्रायट स्टेम्पिंग लिव, 13/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री अ्यामण्ल यादव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य उनमें इसके बाद लिखित मामले में कोई शोधोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं:

इसलिए, ग्रब, ग्रीहोगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947, की घारा 10 की उपधान (1) के खण्ड (म) द्वारा प्रशन का गई शक्तियों का प्रयोग करते हुमें हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रिवित्तवना सं 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1958, के साम पढ़ते हुए ग्रिविश्वना सं 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त ग्रीविनियम की द्वारा 7 के ग्रिवीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला भ्यायनिर्णय के लिए चिदिंग्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री श्यामफूल यादव की सेवाझों का समायन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. भो. वि./एफ. डी./188-84/6375.---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै॰ इण्डिया फोर्ज एक्ड ड्राफ्ट स्टेम्पिंग लि॰, 13/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री राज कुमार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित सामसे में कोई भोडोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, मौद्योगिक विवाद ग्रिधितियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) क खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिस्चना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1958 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिस्चना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधितियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री अज कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? 🍃

स. ग्रो.वि./एक.डी./183-84/6352 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को राय है कि मैं । इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्राफट हर्टिम्पंग लिं । 13/3 , मयुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री नन हु राम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रीडोगिक विवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई सिक्तयों का प्रयोग करते हुये हुरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून,

1958 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिष्ठितयम की घारा 7 के श्रश्नीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद के दिश्यकरत या २२ से सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय के लिये निर्दिग्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिम ने बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:---

क्या श्री ननकुराम की सेवाभों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो. वि./एफ. डी./188-84/6389. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राम है कि मैं ० इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्राफ्ट स्टैम्पिंग लि०, 13/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री सुरेन्द्र यादव तथा उसके धवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भीदोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई अक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1958 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादयस्त या उससे पुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा यामला न्यायानिणंय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादयस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री सुरेन्द्र यादव की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. मो.वि./एफ.डी./188-84/6403.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्रापट स्टैम्पिंग लिंक, 13/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री पारस नाथ तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीक्षोगिक विवाद है;

मोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करमा बांछनीय समझते हैं ;

इस लिए. प्रव भी बोगिक विशाद प्रधितियम, 1947 को धारा 10 को उपवारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रदान की गई मिस्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-ध्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1958, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-ची-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित खम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादअस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादअस्त मामला है था विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री पारस नाथ की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. मो. वि./एफ.डी./188-84/6410.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. इण्डिया फोर्ज एण्ड ड्रापट स्टैम्पिंग लि॰, 13/3, मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम प्रकाश तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मोद्योगिक विवाद है;

भीर बूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रंब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिव्धिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिव्धिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 ज्न, 1968, के साथ पढ़ते हुए ग्रिव्धिसूचना सं. 11495- जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रमवा संबंधित भामला है :—

क्या श्री राम प्रकाश की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?